नईदुनिया

खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में सांप्रदायिक हिंसा, मृतकों की संख्या बढ़कर हुई आठ

पेशावर

कुर्रम जिले की राजधानी पाराचिनार जा रहे सहायता काफिले पर हुए घातक हमले में लापता ड्राइवरों के चार और शव शनिवार को बरामद होने के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 8 हो गई है। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत का कुर्रम जिला सांप्रदायिक हिंसा के बाद महीनों से देश के बाकी हिस्सों से कटा हुआ है। अब तक 150 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है।

इलाके में खाद्य आपूर्ति और दवाओं की कमी के कारण दर्जनों महिलाओं और बच्चों की मौत होने की वजह से हताहतों की संख्या में बढ़ोतरी हुई। हाल ही में विरोधी ग्रुप्स के बीच एक 14 सूत्री शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे तबाह क्षेत्र में शांति की उम्मीद जगी थी।

हालांकि, राहत सहायता ले जा रहे काफिले पर गुरुवार को बड़ा हमला हुआ। कुर्रम के अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) ने कहा, हमला कम से कम पांच घंटे तक चला। पांच ड्राइवर लापता हो गए, जिनमें से चार के शव बरामद कर लिए गए। अब तक कुल मृतकों की संख्या आठ है, इनमें चार ड्राइवर और दो सुरक्षाकर्मी शामिल हैं।

दूसरी ओर, पुलिस सूत्रों का कहना है कि अब तक कम से कम 10 लोग मारे गए हैं, जिनमें दो सुरक्षाकर्मी, चार ड्राइवर और चार नागरिक शामिल हैं। उनका कहना है कि छह ड्राइवर अब भी लापता हैं। हमलावरों ने उन्हें रॉकेट और ऑटोमैटिक हथियारों का इस्तेमाल करके अगवा कर लिया था। सुरक्षा बलों ने बताया कि जवाबी फायरिंग में छह हमलावर भी मारे गए। बतादें कि 35 वाहनों का यह काफिला, पाराचिनार में पहुंचाई जाने वाली सहायता सामग्री का दूसरा जत्था था। इसमें दवाइयां, सब्जियां, फल और अन्य खाद्य सामग्री शामिल थी। इसे पुलिस और फ्रंटियर कांस्टेबुलरी (एफसी) सहित सुरक्षा बलों द्वारा सुरक्षा प्रदान की जा रही थी।

न्यूज ब्रीफ

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ने कोर्ट के समक्ष दी रिहाई की दलील

सियोल। दक्षिण कोरिया में पिछले महीने मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा कर कानूनी एवं राजनीतिक संकट में फंसे राष्ट्रपति यून सुक येओल ने शनिवार को सियोल न्यायाधीश के समक्ष अपनी रिहाई के लिए दलील दी। ऐसा इसलिए क्योंकि अदालत ने समीक्षा की कि क्या उनकी औपचारिक गिरफ्तारी के लिए कानून प्रवर्तन अनुरोध को मंजूरी दी जानी चाहिए। यून के वकीलों ने कहा कि लगभग पांच घंटे की बंद कमरे में सुनवाई के दौरान उन्होंने न्यायाधीश से लगभग 40 मिनट तक बात की। उनकी कानूनी टीम और भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसियों ने इस बारे में विरोधी तर्क प्रस्तुत किए कि क्या उन्हें हिरासत में रखा जाना चाहिए। वकीलों ने उनकी विशिष्ट टिप्पणियां साझा नहीं कीं। इससे पहले, उच्च-रैंकिंग अधिकारियों के लिए गठित देश के भ्रष्टाचार जांच कार्यालय (सीआईओ) ने सियोल पश्चिमी जिला न्यायालय से येओल के खिलाफ औपचारिक गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आग्रह किया है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति यून, जो बुधवार को अपने आवास पर बड़े पैमाने पर कानून प्रवर्तन अभियान में पकड़े जाने के बाद से हिरासत में हैं, 03 दिसंबर को मार्शल लॉ की घोषणा से जुड़े संभावित विद्रोह के आरोपों का सामना कर रहे हैं। उनके इस कदम ने 1980 के दशक में देश में लोकतंत्रीकरण के बाद दक्षिण कोरिया में सबसे गंभीर राजनीतिक संकट पैदा कर दिया है।

राष्ट्रपति की शपथ लेते ही ट्रंप 100 से ज्यादा फाइलों पर करेंगे हस्ताक्षर

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप सोमवार यानी 20 जनवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले हैं। इससे पहले ही उनकी टीम ने कामों की लंबी सूची बना ली है। सत्ता संभालने के तुरंत बाद ट्रंप कम से कम 100 फाइलों पर साइन करेंगे जिससे अमेरिका ही नहीं दुनिया में बवाल मच सकता है। शपथ ग्रहण के बाद वह व्हाइट हाउस में प्रवेश करेंगे। उनके ओवल ऑफिस डेस्क पर 100 से अधिक कार्यकारी आदेश उनका इंतजार कर रहे होंगे, जिन्हें उनकी टीम ने उनके दूसरे कार्यकाल की शुरुआत बिना किसी समय की बर्बादी से बचने के लिए तैयार किया है। ट्रंप संयुक्त राज्य अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। ये कार्यकारी आदेश मुख्य रूप से उनके चुनावी वादों को पूरा करने के उद्देश्य से हैं। एक साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा कि वह पहले दिन रिकॉर्ड संख्या में कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर करने की योजना बना रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या ये कार्यकारी आदेश 100 से ज्यादा होंगे तो ट्रंप ने कहा कि हां इतना हो सकते हैं। कार्यकारी आदेश राष्ट्रपति द्वारा एक तरफा जारी किया गया आदेश होता है, जिसमें कानून की ताकत होती है। ट्रंप ने कहा कि हमारे पास रिकॉर्ड-सेटिंग संख्या में दस्तावेज हैं, जिन पर मैं शपथ ग्रहण भाषण के तुरंत बाद हस्ताक्षर करूंगा।

भारत से टक्कर लेने के चक्कर में पाकिस्तान की माली हालत हुई खराब

इस्लामाबाद । कंगाल पाकिस्तान भारत का मुकाबला करने के लिए अपनी नौसेना का विस्तार करने में जुटा है। देश में मौजूदा आर्थिक संकट के बावजूद नेवी को आधुनिक बनाने की इस्लामाबाद की महत्वाकांक्षा देश की माली हालत पर भारी पड़ रही है। एक ओर मजबूत भारतीय नौसेना ने लगातार क्षेत्रीय स्थिरता और समुद्री रक्षा को प्राथमिकता देने के साथ ही मानवीय सहायता और आपदा राहत मिशनों से लेकर समुद्री डकैती विरोधी अभियानों के द्वारा एक शुद्ध सुरक्षा देने वाले बल के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को मजबूत किया है। इसके उलट पाकिस्तान नौसेना का आधुनिकीकरण कार्यक्रम सैन्यीकरण को प्राथमिकता देता है। पाकिस्तान 50 जहाजों वाली नौसेना बनाने का लक्ष्य रखा है, इसमें हंगोर श्रेणी की पनडुब्बियां और जिन्ना श्रेणी के युद्धक जहाज शामिल हैं। नेवी को बढ़ाने के लिए पाकिस्तान के पास पैसा नहीं है और वह चीन के सहारे पर चल रहा है, जो उसका कर्ज संकट बढ़ा रहा है। दरअसल, पाकिस्तान की नेवी के विस्तार में चीन की दिलचस्पी इसी ग्वादर पोर्ट के रणनीतिक महत्व को लेकर है। यह पोर्ट बीजिंग को अरब सागर तक सीधी पहुंच देता है। पाकिस्तान के लिए यह प्रोजेक्ट दोधारी तलवार बना है।

इजराइल-हमास संघर्ष विराम, 15 महीने से चल रहा सैन्य संघर्ष 6 सप्ताह के लिए थमा

तेल अवीव

इजराइल मंत्रिमंडल के गाजा संघर्ष विराम समझौते को मंजूरी देने के बाद छह हफ्ते तक चलने वाला संघर्ष विराम रविवार से लागू हो गया। इजराइल की कैबिनेट ने शनिवार को हमास के साथ संघर्ष विराम समझौते को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ऑफिस ने बयान जारी इसकी पुष्टि की। समझौते के तहत हमास पहले चरण में 33 बंधकों को रिहा करेगा और इजराइल 700 फलस्तीनी कैदियों को मुक्त करेगा।

दी टाइम्स ऑफ इजराइल ने हमास समर्थक मीडिया के दावों का हवाला देते हुए बताया है कि रविवार सुबह संघर्ष विराम समझौते के तहत इजराइल की सेना गाजा के दक्षिणी शहर रफाह के अलग-अलग इलाकों से हटना शुरू कर दिया है। हालांकि इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) की तरफ से इस पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं है।

जरूरत पड़ने पर युद्ध जारी रखने का अधिकार: नेतन्याहू - खास बात यह है कि युद्ध विराम समझौते के तहत पहले चरण के बंदियों की अदला-बदली के लिए हमास ने उन बंदियों के नामों की सूची इजराइल को भेजी है जिन्हें रिहा किया जाना है। इसे लेकर इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि, अगर नाम जारी नहीं किए गए तो सीजफायर पर आगे नहीं बढ़ पाएंगे। शनिवार को देश को संबोधित करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल समझौते के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं करेगा और इसकी पूरी जिम्मेदारी हमास पर है। उन्होंने कहा कि इजराइल, हमास के साथ संघर्ष विराम को अस्थायी मान रहा है और यदि जरूरत पड़ी, तो युद्ध जारी रखने का उसे अधिकार है। इसके लिए उसे डोनाल्ड ट्रम्प का समर्थन हासिल है।

तीन चरणों में पूरा होगा संघर्ष विराम समझौते के तहत 19 जनवरी से 01 मार्च तक संघर्ष विराम रहेगा। संघर्ष विराम तीन चरणों में पूरा होगा। पहले चरण में हमास इजराइल के 33 बंधकों को रिहा करेगा। जिसके बाद इजराइली सेना गाजा की सीमा से 700 मीटर पीछे लौटेगी। इजराइल में न्याय मंत्रालय ने 95 फिलिस्तीनी कैदियों की लिस्ट जारी की है, जिन्हें पहले फेज में रिहा किया जाएगा। इनमें 69 महिलाएं, 16 पुरुष और 10 नाबालिग शामिल हैं। इजराइल 700 से ज्यादा फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा, जिनके नामों की लिस्ट जारी की गई है। इसमें कई लोग हत्या के आरोप में उम्रकैद की सजा काट रहे हैं, जिनमें हमास के आतंकी हैं।

इजराइल पर आतंकी हमले के बाद शुरू हुआ सैन्य संघर्ष - उल्लेखनीय है कि 7 अक्टूबर 2023 को हमास के आतंकियों ने इजराइल में घुसकर 1200 लोगों को मार डाला था और 251 को बंधक बना लिया था। इसके कुछ घंटे बाद इजराइली सेना ने गाजा पर हमला बोल दिया था। इजराइल के सैन्य अभियान में अबतक 46 हजार लोगों की जान जा चुकी है।

ट्रम्प ने किया था चुनावी वादा - अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस संघर्ष को रोकने का चुनावी वादा किया था। 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ लेने से पहले इजराइल-हमास संघर्ष विराम समझौता लागू होने से 15 माह से चला आ रहा सैन्य टकराव रुक गया है। कई शीर्ष नेताओं को इजराइल ने बनाया निशाना इस सैन्य संघर्ष के दौरान इजराइल ने हमास और हिज्बुल्लाह के कई शीर्ष नेताओं को मार गिराया। जिसमें 01 अगस्त 2024 को हमास चीफ मोहम्मद देइफ, 28 सितंबर 2024 को बेरुत में हिज्बुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह, 16 अक्टूबर 2024 को राफाह में हमास नेता याह्या सिनवार शामिल है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच अमेरिका ने यूरोप में तैनात किया बी61-12 परमाणु बम

मास्को

रूस-यूक्रेन युद्ध से नाटो के देश दहशत में हैं। रुसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने नाटो के कई देशों को धमकी दी है जिनकी सीमा रूस से लगती है। नाटो देशों पर मंडराते खतरे के बीच अमेरिका ने अपने सबसे खतरनाक परमाणु बम बी61-12 को यूरोप में तैनात कर दिया है। इस बम को फाइटर जेट की मदद से दुश्मन के ठिकाने पर गिराया जा सकता है।

रूस ने भी हाल ही में इस परमाणु बम को अपग्रेड किया है। अमेरिका ने इस तैनाती की पुष्टि भी कर दी है। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका के इस कदम के पीछे चीन भी बड़ी वजह है जो बहुत ही तेजी से परमाणु बम बना रहा है। चीन का इरादा एक हजार परमाणु बम बनाने का है। यही नहीं अमेरिका अपने घरेलू यूरेनियम संवर्द्धन प्रोग्राम को फिर से शुरू कर रहा है ताकि अपनी रक्षा क्षमता को मजबूत कर सके। अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हुई थी कि यूरोप में मौजूद नाटो के ठिकानों को अपग्रेड किए गए बी61-12 परमाणु बम दिए गए हैं या नहीं। अमेरिका ने कुछ समय पहले परमाणु बमों को अपग्रेड करने के लिए अपने सबसे व्यापक आधुनिकीकरण प्रोग्राम को शुरू किया था। बी61-12 परमाणु बम 12 फुट के होते हैं। इसमें 50 किलो टन का वारहेड होता है इसमें 50 हजार टन टीएनटी के बराबर तबाही मचाने की क्षमता होती है। इसे बहुत ही सटीक परमाणु हमला करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस परमाणु बम को पायलट कई मील की दूरी से ही अपने लक्ष्य पर गिर सकते हैं। बी83 परमाणु बम के मुकाबले इसकी क्षमता 1200 किलोटन ही है।

नाटो सेना की बढ़ी ताकत, पायलट इसे कई मील की दूरी टारगेट पर मार सकता है

अमेरिका के परमाणु बमों को संभालने वाली एजेंसी एनएनएसए के प्रशासक ने अपने बयान में कहा कि नाटो बहुत मजबूत है। नया बी61-12 ग्रेवेटी बम को अग्रिम मोर्चे पर तैनात कर दिया गया है। हमने नाटो की परमाणु क्षमता को बढ़ा दिया है। इससे पहले रूस ने अमेरिका को इन परमाणु बमों को तैनात करने को लेकर चेतावनी दी थी। अमेरिका के पास इस समय 200 टैक्टिकल न्यूक्लियर बम हैं जिसमें से आधे उसके सहयोगी देशों के यहां तैनात हैं। इसमें बेल्जियम, इटली, जर्मनी, नीदरलैंड और तुर्की शामिल है। वहीं रूस के पास ऐसे 2000 टैक्टिकल न्यूक्लियर बम हैं। चीन भी अब बहुत तेजी से परमाणु बम बनाकर इन देशों से टक्कर लेने की कोशिश में लगा है।

शांति बहाली के लिए भेजा गया अधिकारी

हेती के पोर्ट अयू प्रिंस एयरपोर्ट पर उतरा केन्याई पुलिस अधिकारियों का एक दस्ता। ये अधिकारी शांति बहाली के लिए यहां भेजे गये हैं।

इजराइली वायु सेना ने यमन से प्रक्षेपित एक बैलिस्टिक मिसाइल को रोका

येरूशलम

इजराइल के वायु रक्षा बलों ने शनिवार को यमन की ओर लॉन्च की गई एक बैलिस्टिक मिसाइल को रोका है। मिसाइल को ब्लास्ट करने के कारण गिरे उसके टुकड़ों को लेकर मध्य इजराइल और येरूशलम में सायरन भी बजा। यह जानकारी इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने शनिवार शाम को दी।

रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने कहा है कि उन्हें यमन से लॉन्च की गई इंटरसेप्टेड मिसाइल के मलबे और छर्रे की रिपोर्ट मिली है, जो येरूशलम में गिरी है।

पुलिस के अनुसार, कुछ टुकड़े मोशाव बार जियोरा के पास एक खुले क्षेत्र में गिरे, जबकि अन्य टुकड़े मेवो बीटर के बगल में एक गैस स्टेशन के पास गिरे। साथ ही मिसाइल का एक बड़ा हिस्सा बीटर लिलिट के पास एक खेत में गिरा। पुलिस ने लोगों से टुकड़ों को न छूने को कहा है। पुलिस फिलहाल मलबे की जांच कर रही है।

इस बीच, आईडीएफ ने घोषणा की है कि वह

हमास के साथ युद्धविराम और बंधक समझौते की तैयारी कर रहा है, जिसे सरकार ने रातोंरात मंजूरी दे दी है। यह प्रक्रिया रविवार को शुरू होने वाली है। इजराइली सेना ने कहा है कि हमास की कैद से रिहा होने के बाद बंधकों को प्राप्त करने की तैयारी की जा रही है।

दो प्रमुख सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूर रही मिशेल..., ओबामा से तलाक की अफवाहें उड़ी

वाशिंगटन

क्या बराक और मिशेल ओबामा तलाक लेने जा रहे हैं दरअसल पिछले कुछ दिनों से अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और उनकी पत्नी के बीच संभावित अलगाव की अफवाहें सोशल मीडिया पर चर्चा का केंद्र बनी हैं। इन अटकलों के बीच, ओबामा के एक पोस्ट और उस पर मिशेल की प्रतिक्रिया लोगों का ध्यान खींच रही है।

ओबामा ने अपनी पत्नी के जन्मदिन के मौके पर यह पोस्ट लिखी है। उन्होंने कहा, मेरे जिंदगी के प्यार मिशेल ओबामा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आप हर जगह को गर्मजोशी, ज्ञान, हास्य और शालीनता से भर देती हैं। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे आपके साथ जीवन के रोमांच को अनुभव करने का मौका मिला। आपसे प्यार करता हूं!

ओबामा की पोस्ट मिशेल ने लिखा, लव यू हनी। 17 जनवरी, 1964 को जन्मी मिशेल ओबामा ने अपना 61वां जन्मदिन मनाया। रिपोर्ट्स के मुताबिक ओबामा दंपत्ति की तलाक की खबरों को बल तब मिला जब सोमवार (20 जनवरी) को नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में मिशेल के न आने की खबरें सामने आईं।

बयान में यह स्पष्टीकरण नहीं दिया गया कि वे शपथ ग्रहण समारोह में क्यों शामिल नहीं होंगी, जिसमें परंपरागत रूप से पूर्व राष्ट्रपति और उनके जीवनसाथी शामिल होते हैं। हाल के हफ्तों में यह दूसरा हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम है जिसमें मिशेल ओबामा ने शामिल होने से मना किया है। पिछले हफ्ते, मिशेल अपने पति बराक के साथ पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हुई थीं। मिशेल ओबामा की दो प्रमुख सार्वजनिक कार्यक्रमों से अनुपस्थिति ने सोशल मीडिया पर तलाक की अफवाहों को हवा दे दी है।

दांतों के लिए सबसे बड़ा विलेन है रेड वाइन

लंदन। कई लोग सोचते हैं कि तंबाकू, गुटखा, चाय या कॉफी जैसे पदार्थ दांतों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं, लेकिन हाल ही में एक डॉक्टर के प्रयोग ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया। दांतों के विशेषज्ञ डॉ. मिलीज मेडिसन ने एक प्रयोग के जरिए यह साबित किया कि दांतों के लिए सबसे बड़ा विलेन रेड वाइन है। उन्होंने लैब में जीवित रखे गए दांतों पर रेड वाइन, चाय, कॉफी और सॉफ्ट ड्रिंक का प्रभाव जांचा। 10 घंटे के इस प्रयोग के नतीजे हैरान करने वाले थे। उन्होंने पाया कि रेड वाइन दांतों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाती है। यह न केवल दांतों को पर्पल रंग में बदल देती है, बल्कि उनकी संरचना को भी बर्बाद कर देती है। डॉ. मेडिसन ने बताया कि रेड वाइन दांतों के इनामेल और जड़ों पर गहरा असर डालती है। सॉफ्ट ड्रिंक इस सूची में दूसरे स्थान पर है। इसका एसिडिक नेचर दांतों को डार्क करने के साथ-साथ उनकी संरचना को भी कमजोर कर देता है। इसके बाद चाय और कॉफी का नंबर आता है। हालांकि, चाय कॉफी की तुलना में दांतों पर हल्का प्रभाव छोड़ती है, लेकिन यह भी इनामेल को दागदार बना देती है। प्रयोग के दौरान यह भी पाया गया कि कॉफी से दांतों की जड़ें गहरे भूरे रंग की हो गईं, जबकि चाय का असर अपेक्षाकृत कम था। डॉ. मेडिसन ने अपने इस प्रयोग को सोशल मीडिया पर साझा किया, जिसके बाद इसे लेकर लोग हैरान रह गए।